विस्तार पुस्तिका सं: 233

शतवर्ष श्रृंखला: 19

लाल ताड़ घुन के बृहत-क्षेत्र प्रबंधन में

सामुदायिक भागीदारी

नारियल किसानों के लिए सचित्र पुस्तिका

भाकृअनुप - केंद्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान

ICAR - CENTRAL PLANTATION CROPS RESEARCH INSTITUTE

An ISO 9001:2008 Certified Institute

कुड़लु-डाक, कासरगोड-671124

Phone: 04994 232893 - 95, 233090, 232333 (Director); Fax: 04994 232322

E-mail: cpcri@nic.in, website: www.cpcri.gov.in

विस्तार पुस्तिका सं: 233

नारियल किसानों के लिए सचित्र पुस्तिका

शतवर्ष श्रृंखला: 19

नारियल लाल ताड़ घुन का समीकृत प्रबंधन : बृहत-क्षेत्र भागीदारी

प्रकाशक
डॉ.पी.चौड़प्पा
निदेशक, भाकृअनुप - केंद्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान
कुड़लु (डाक) कासरगोड़-671124

हिंदी पाठ्य
के.श्रीलता
अल्का गुप्ता

अंग्रेज़ी पाठ्य एवं संकलन
पी. अनिता कुमारी
मेरिन बाबु
जोसफ राज कुमार
चन्द्रन के.पी
वी.कृष्णकुमार
पी.चौड़प्पा

जूलाई

सामुदायिक भागीदारी समुदायः लाल ताड़ घुन के क्षेत्र मे व्यापक प्रबंधन का दृष्टिकोण

लाल ताड़ घुन के प्रबंधन के लिए प्रक्षेत्र विस्तार सामुदायिक भागीदारी

स्थान : भरणिक्काव ग्राम पंचायत
क्षेत्रफल : 2000 हेक्टर
सर्वेक्षण प्रलेखन : 7068 परिवार
ताड़ प्रोफाइल रिकार्ड : 174733 ताड़
समीकृत नारियल प्रक्षेत्र क्लिनिक्स आयोजित : 18
पणधारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम : 18
नारियल पादप संरक्षण एवं निगरानी समूह : 12
प्रक्षेत्र संदर्शन : 232
भेजे गए एस एम एस : 128
प्रकाशन/जनसंचार कार्यक्रम : 11
अभिमुख कार्यशाला : 1

लाल ताड़ घुन के भागीदारी स्थानीय सामाजिक अनुपालन का बुनियादी मॉडल।

अवलोकन ! सावधान ! भाग लेना ! कार्य

भाकृअनुप - केंद्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान
ICAR - CENTRAL PLANTATION CROPS RESEARCH INSTITUTE
An ISO 9001:2008 Certified Institute
कुड़लु-डाक, कासरगोड-671124
Phone: 04994 232893 - 95, 233090, 232333 (Director); Fax: 04994 232322
E-mail: cpcri@nic.in, website: www.cpcri.gov.in

विषय सूची

1. लाल ताड़ घुन का समीकृत प्रबंधन - कृषक भागीदारी हुँ

2. लाल ताड़ घुन को समझें

3. लाल ताड़ घुन संक्रमण का लक्षण

4. लाल ताड़ घुन प्रबंधन में रोगनिरोधी, रोगनाशक तकनीकी

5. नैदानिक विशेषताएँ जानें

6. ए डब्ल्यु सी ए की भागीदारी एवं प्रभाव

लाल ताड़ घुन के क्षेत्र-विस्तार सामूहिक प्रबंधन में व्यक्तिगत नारियल किसानों का प्रतिबद्धित एवं लगातार योगदान आवश्यक है

* लाल ताड़ घुन नारियल का आंतरिक ऊत छिद्रक और घातक शत्रु है
* यदि समय पर बचाव न करा जाए तो अनियंत्रित पार्श्वीय फैलाव का डर है
* पूर्व लक्षण निदान के लिए कम से कम हफ्ते में एक बार प्लॉट की लगातार निगरानी करें

कीट को समझें

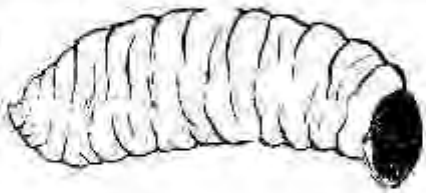

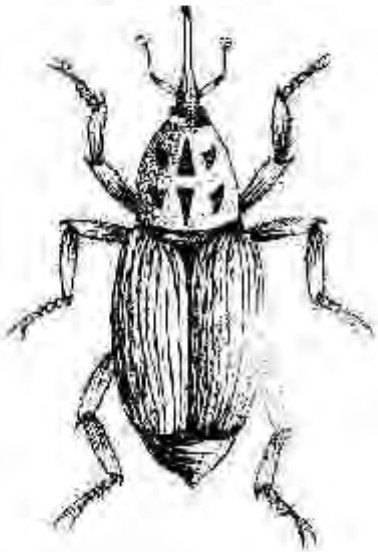

वैज्ञानिक नाम: ***रिंकोफ़ोरस फ़ेरुजिनियस*** **ओलिवियर**

* कीट की सभी अवस्थाएँ (अण्डा, सूँडी, प्यूपा और प्रौढ भृंग) नारियल ताड़ के अंदर ही सीमित है
* ताड़ में चोट/क्षति घुन को अण्डे सेने के लिये अनुकूल कर देते है
* यदि निरीक्षण नहीं किया गया है तो सूँडी द्वारा क्रियाशील प्राश्न से ताड़ को मार डालता है
* कीट द्वारा नारियल के ताड़, खजूर ताड़, सुपारी सहित लगभग 17 ताड़ जातियाँ प्रभावित हैं

लाल ताड़ घुन संक्रमण का लक्षण निरीक्षण करना

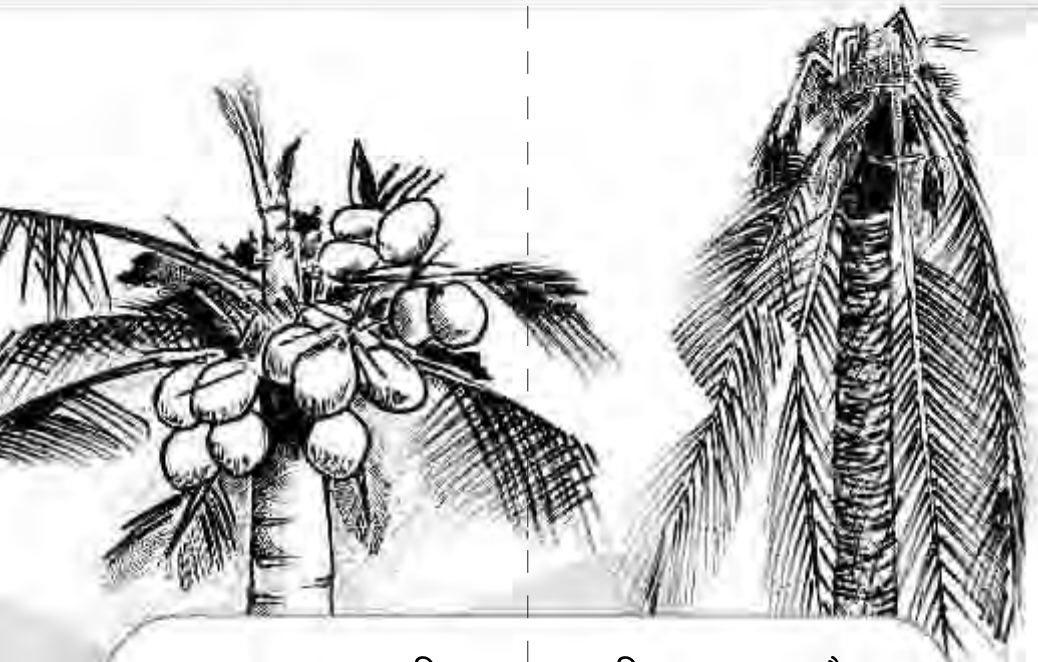

- समय पर ताड़ का निदान ताड़ रक्षा किया जा सकता है लेकिन कृषक सामान्यतः छत्र गिरने के बाद ही संक्रमण पहचानता है। इस अवस्था में ताड़ का स्वास्थ्य पुनः प्राप्त नहीं किया जा सकता है।
- ताड़ के अंदर के कीट की जीवन अवस्था का नाश करने के लिए छत्र गिर पड़े ताड़ को पूर्ण रूप से नष्ट कर दूर किया जाना चाहिए।
- प्रक्षेत्र में संक्रमित ताड़ के अवरोधन से कीट के फैलाव के लिए टीका लगाने का मुख्य स्त्रोत है।

लाल ताड़ घुन संक्रमण का लक्षण निरीक्षण करना

- पत्ता नाली में सूँडी के प्राश्न से भौरे रंग का दुर्गधंवाला तरल बाहर रिस जाता है।
- ताड़ धड़ के अंदर की सूँडी केवल तरल को खाता है। इसी बीच उसके आहार-नली से सूक्ष्माणु उलटे बह जाते है और यह सड़न प्रक्रिया बढ़ाता है। इसके परिणाम से धड़ से तरल रिस जाता है।
- चबाया गया रेशा/कीटमल/प्यूपल आवरण/तरल के रिसाव के लिए छिद्रित द्वार का निरीक्षण किया जाए।

लाल ताड़ घुन संक्रमण का लक्षण निरीक्षण करना

- दो परिस्थितियों के अधीन कीट का धड़ प्रवेश हो जाता है - उथला रोपण और टिल्लर या ट्रैक्टर से जोत-जुदाई से (अतरसांस्कृतिक संक्रिया) तना/धड़ क्षेत्र में चोट/क्षति से
- लक्षण पहचानने में बहुत मुश्किल है लेकिन धड़ प्रवेश लक्षण के लिए किसान द्वारा जाँच ज़रूरी है।
- उर्वरक प्रयोग, पतवार आदि मुख्य धड़ से कुछ दूर पर किया जाए।

लाल ताड़ घुन संक्रमण का लक्षण निरीक्षण करना

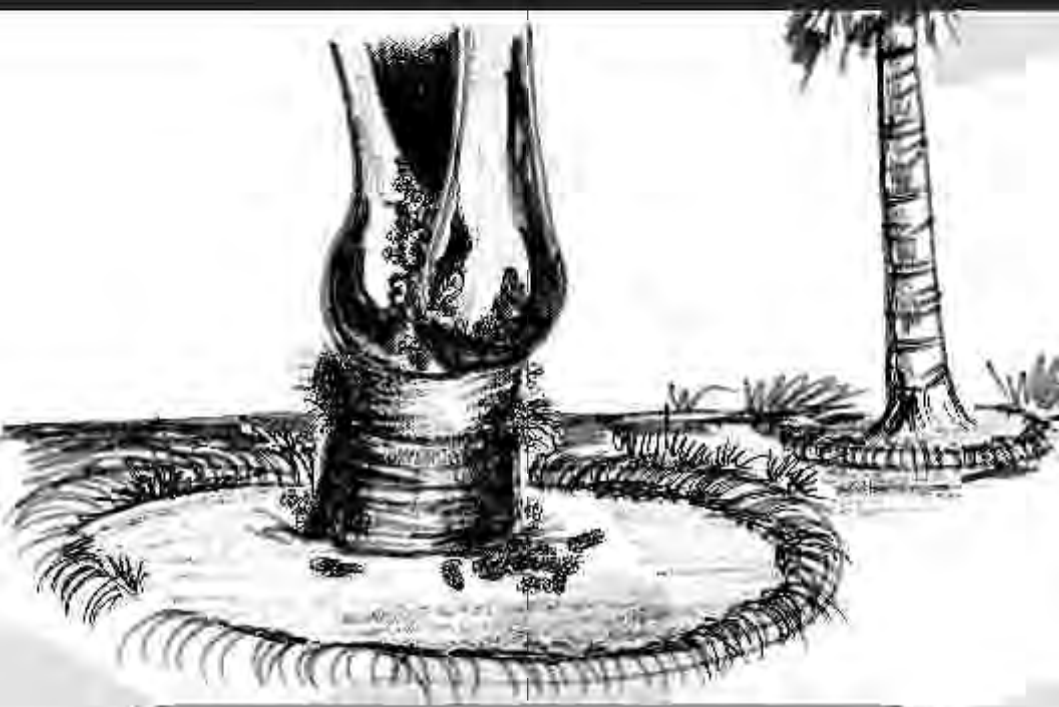

- लाल ताड़ घुन का संक्रमण पत्ता नाली से ताड़ में हो जाता है। छिद्रित द्वार, कीट/जीवन अवस्था, चबाई गयी सामग्री, कीटमल या मल-मूत्र के लिए कृषक द्वारा निरीक्षण किया जाना चाहिए। ऐसे ताडों में पत्ता नाली तथा छत्र में किसी भी लक्षण या छत्र के ऊपरी भाग का जरा भी तिरछा होना और कम फूले हुए तर्कु पत्ते के लिए निरीक्षण किया जाना चाहिए।
- ताड़ अलवाल में कीटमल या किसी चबा हुआ रेशा या प्यूपल रव्रोल आदि का देखा जाना

लाल ताड़ घुन संक्रमण का लक्षण निरीक्षण करना

- लाल ताड़ घुन प्रभावित क्षेत्रों में ताज़ा पर्णवृन्त का चीर-फाड़ा टुकड़े अन्य दृश्य लक्षण हैं।
- लाल ताड़ घुन के अन्य किसी लक्षण (छिपा हुआ) के लिए उन ताड़ों का निरीक्षण किया जाए।
- यथाशीघ्र रोगनाशक और पादप-स्वास्थ्य विधियों को अपनाया जाए।

लाल ताड़ घुन संक्रमण का लक्षण निरीक्षण करना

- तने पर कान रखने से कुतरने की आवाज़ सुनी जा सकती है।
- रस निस्सारण के लिए गन्ना चबाने के जैसी आवाज़।
- सूँडी के कुतरने की आवाज़ कोई रॉक द्वारा कम किया जा सकता है।

लाल ताड़ घुन संक्रमण का लक्षण निरीक्षण करना

- ताड़ पर हुई चोट/क्षति जो घुन को अण्डे डालने के लिए आकर्षित करते है।
- कभी भी ताड़ को कॉई क्षति न पहुँचाएँ।
- नारियल पत्ते काटते समय पर्णवृन्त का 1.2 मी छोड़े।
- ताड़ की रोपाई निकट होना घुन आकर्षण के लिए अनुकूल होता है।
- ताड़ारोहण के लिए कभी भी तना न काटा जाए या ताड़ पर क्षति पहुँचाने वाले कोई उपकरण ताड़ धड़ पर नहीं रखा जाए।

लाल ताड़ घुन संक्रमण का लक्षण निरीक्षण करना

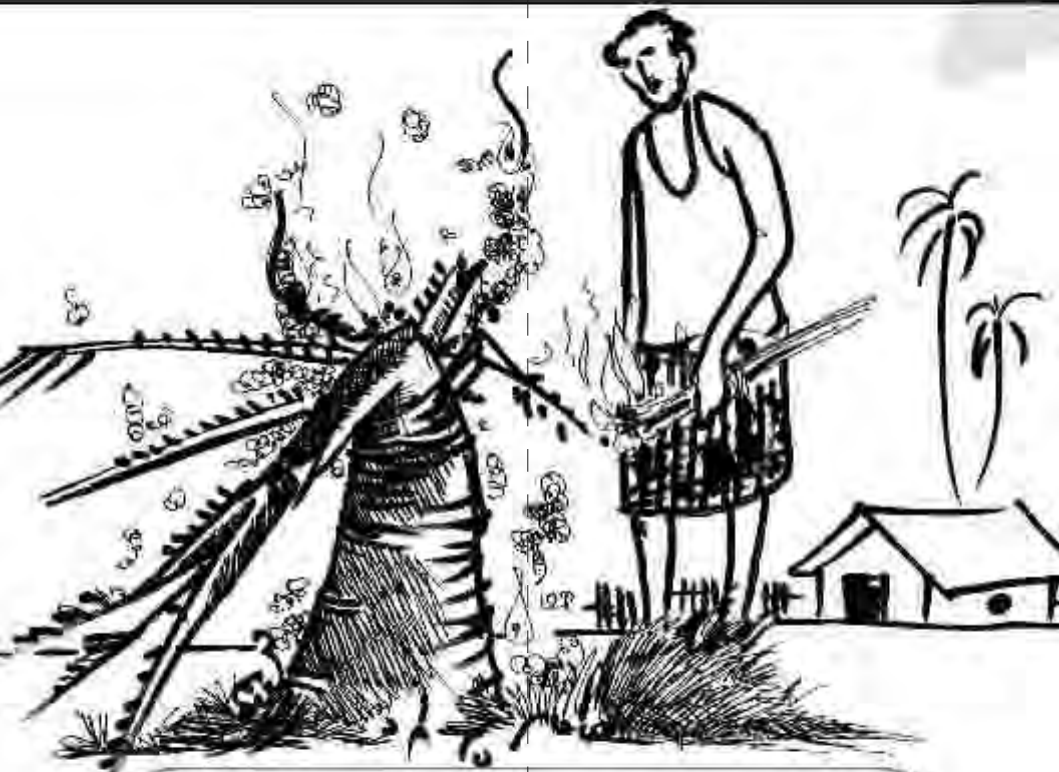

- संक्रमित ताड़ जलाने से कीट की अप्रौढ अवस्था को मार नहीं सकते। मृत ताड़ को तोड़ कर खोला जाए और खोलते समय ध्यान रखा जाए और सभी जीवन चक्र अवस्था का नाश किया जाए और दर्गंध निकलने से रोकने के लिए ताड़ कचरा का नाश।
- कीट को मारने के लिए संक्रमित ताड़ का 200 मि.ली मिट्टी के तेल के साथ उपचार करना।
- इस क्रिया पर अधिक विचार दिया जाए क्योंकि कीट संख्या कम की जा सकती है तथा लाल ताड़ घुन के आक्रमण के कारण ताड़ नाश की लगातार कमी पर अनुकूल रूप से प्रभावित है।

लाल ताड़ घुन संक्रमण का लक्षण निरीक्षण करना

* प्रक्षेत्र में यह देखा गया कि कीट प्रभाव से मृत तरुण ताड़ प्लॉट में बिना देखे छोड़ा जाता है।
* परिवार के किसी भी सदस्य द्वारा सभी पत्ते दूर कर कीट संक्रमित भाग तोड़ कर खोला जाए और कीट अवस्था का नाश किया जा सकता है।
* किसानों के नारियल प्लॉट में इस कार्रवाई से अन्य नारियल ताड़ों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

लाल ताड़ घुन संक्रमण का लक्षण निरीक्षण करना

- लाल ताड़ घुन के प्रभावी धमन में वैयक्तिक स्तर की प्रौद्योगिकी स्वीकार करने से सफलता प्राप्त नहीं कर सकता है। साधारणतया पालन की जा रही विधियों की तुलना में सामूहिक भागीदारी और आवश्यकता आधारित हस्तक्षेप द्वारा कम समय में सस्ता और प्रभावी प्रबंधन संभव है।
- नारियल ताड़ संरक्षण और निगरानी समूह 3-5 सदस्यों के साथ प्रारंभ किया जा सकता है। प्रत्येक पंचायत के प्रत्येक वार्ड में महिला स्वयं सहायक समूहों को भी सम्मिलित किया जा सकता है।
- नारियल कीट का सर्वेक्षण, प्रलेखन और पहचान और रोग/कमी लक्षण, प्रबंधन पद्धतियाँ और प्रायोगिक पादप संरक्षण अवस्थिति में प्रक्षेत्र में और प्रक्षेत्र के बाहर स्तर कुशलता सक्षम बनाना चाहिए।

लाल ताड़ घुन संक्रमण का लक्षण निरीक्षण करना

- लाल ताड़ घुन द्वारा पूर्ण रूप से नष्ट ताड़ को काटकर खोला जाए और क्षति का फैलाव कम करने के लिए कीट जीवन अवस्था का नाश सुनिश्चित किया जाए।
- श्रमिकों की अनुपलब्धता है तो परिवार के सदस्य द्वारा सभी पत्ते काटे जाएँ और कीटों का नाश करने के लिए 200 मि. ली मिट्टी का तेल धड़ में और पत्ता नाली में डाला जाए।

लाल ताड़ घुन संक्रमण का लक्षण निरीक्षण करना

- एक क्षेत्र के सभी नारियल ताड़ का संदर्शन करना और ताड़ की संख्या, आयु, कीट लक्षण और अपनायी गयी रोग प्रबंधन पद्धतियाँ और ताल ताड़ घुन संक्रमित ताड़ (आयु अनुसार) लक्षण एवं नाश की स्थिति रिकार्ड की जाए।
- परिवार सदस्यों को कीट, लक्षण एवं प्रबंधन तकनीकी निरीक्षण के लिए निगरानी की प्रमुखता से संबंधित फार्म शिक्षा देना।
- कृषि विभाग, सी पी पी एस जी/सी पी एस/अनुसंधान संस्थान (भाकृअनुप - केंरोफअसं) के साथ किसानों का संपर्क कराना एवं सलाह एवं सहायक सेवाओं के लिए वेबसाइट।

लाल ताड़ घुन प्रबंधन में रोगनिरोधी, रोगनाशक तकनीकी

- लाल ताड़ घुन सभी आयु के ताड़ों में संक्रमित है लेकिन 5-15 वर्ष की आयु के ताड़ों में मुख्य रूप से दिखाई पड़ते है।
- समय पर लाल ताड़ घुन प्रभावित ताड़ के प्रबंधन एवं उसकी रक्षा करने के लिए फुहारक, लंबी बल्लम, अलुमिनियम सीढी के साथ नारियल समुदाय द्वारा प्रौद्योगिकियों का समीकरण किया जा सकता है।
- कीटनाशिनियों के उपयोग के समय आवश्यक पूर्वोपाय संरक्षण विधियों पर/ सावधानी रखनी चाहिए।

लाल ताड़ घुन प्रबंधन में रोगनिरोधी, रोगनाशक तकनीकी

- लाल ताड़ घुन से प्रभावित ताड़ की रक्षा करने के लिए पूर्व रोग निदान ही मुख्य है।
- रोगनाशक विधियाँ ताड़ के रॉग संक्रमित भाग को पूर्ण रूप से सफाई करने के बाद 1 लीटर पानी में 1 मि.ली इमिडाक्लोप्रिड (0.02%) या 5 मि.ली स्पिनोसाद (0.013%) या 2.5 मि.ली. इन्डोक्साकारब (0.04%) प्रयोग करें।
- नैदानिक लक्षण निरीक्षण करने के 2-3 हफ्ते के बाद रोग नाशक विधियाँ पुनः प्रयोग करें।

लाल ताड़ घुन प्रबंधन में रोगनिरोधी, रोगनाशक तकनीकी

- नारियल का अधिक साधारण कीट है राईनोसेरस भृंग और उसका संक्रमण लाल ताड़ घुन आक्रमण के लिए रास्ता तैयार करता है। इसलिए राईनोसेरस भृंग का प्रबंधन बायो-सेन्सिटीव मोड में क्षेत्र विस्तार सामुदायिक विस्तार पहुँच से समीकरण किया जाना है।
- खुले पत्तों में वी आकारीय ज्यामितीय काट राईनोसेरस भृंग संक्रमण का लक्षण है। यह फल न देने वाले और फल देने वाले पौधों पर आक्रमण करते हैं।

लाल ताड़ घुन प्रबंधन में रोगनिरोधी, रोगनाशक तकनीकी

- लाल ताड़ घुन द्वारा नाश किया गया या काटे गए ताड़ धड़ को कृषक प्रषेत्र में ही छोड़ा जाता है। वह राईनोसेरस भृंग के प्रजनन में सहायक होता है। उसका नाश किया जाना चाहिए या *मेटारैज़ियम आनिसोप्लिए* कवक के साथ उपचारित किया जाना जाहिए।

लाल ताड़ घुन प्रबंधन में रोगनिरोधी, रोगनाशक तकनीकी

- राईनोसेरस भृंग का प्रजनन स्थान जैसे खाद के गड्ढे, सड़ा-गला कार्बनिक कूड़ा, कयर गूथा ढ़ेर आदि *मेटाराईजियम* कवक के साथ उपचारित करें। एक लीटर पानी में 100 ग्रा कवक संवर्द्धन ढ़ेर के ऊपर छिड़ककर और ढ़ेर में डण्डे से बनाए गए 3-4 छिद्रों में उँडेलें ।
- 7-10 दिनों के अंदर सूँडी कवक संक्रमित दिखाई पडेंगे। प्रौढ़ भी इस अवधि पर संक्रमित हो जाएँगे और उनकी सँख्या में कमी आयेगी।

लाल ताड़ घुन प्रबंधन में रोगनिरोधी, रोगनाशक तकनीकी

- रोगनिरोधी के रूप में तर्कु के चारों ओर और 2-3 पत्ते के नीचे 12 ग्राम का 3 नाफ्थलीन बॉल रखकर रेत से या चूर्णित नीम या मरोटी केक रेत के साथ समतुल्य मात्रा में रेत मिश्रण कर या पत्ता नाली में छिद्रित थैली में 3-5 क्लोरानित्रनिलिप्रोल कणी रखना।
- सिफारिश के अनुसार प्रति वर्ष जनवरी, मई और सितंबर में प्रयोग करें।

लाल ताड़ घुन प्रबंधन में रोगनिरोधी, रोगनाशक तकनीकी

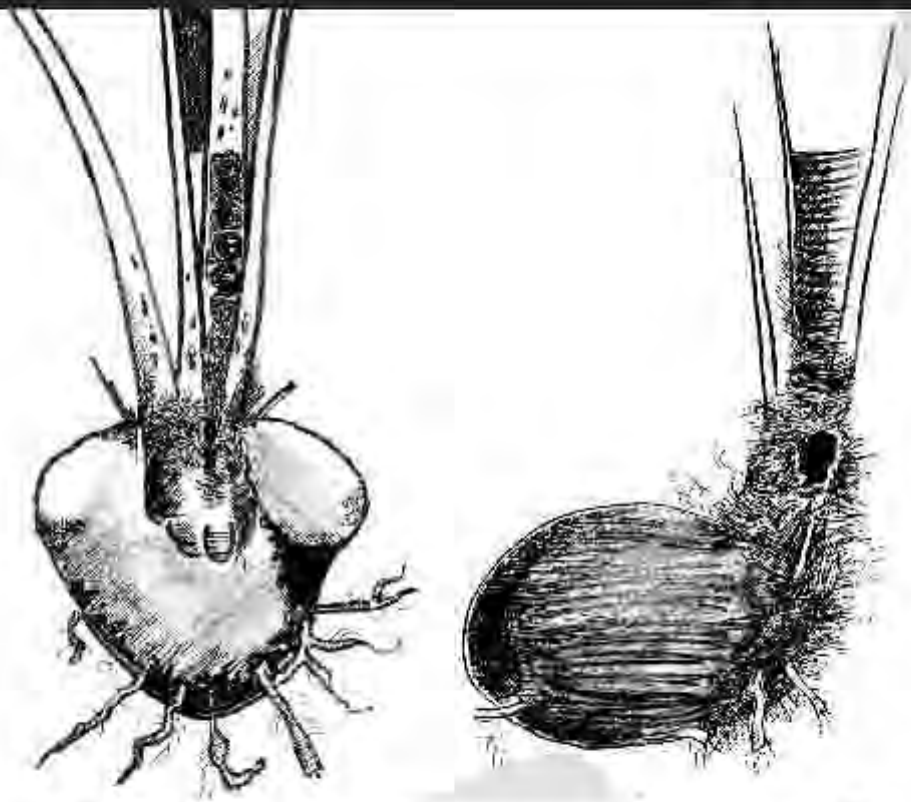

- नर्सरियों में राईनोसेरस भृंग द्वारा नारियल पौध संक्रमित हो जाता है। पौधों के तर्कु पत्ते सूखे दिखाई पड़ते हैं और यदि खींचे तो बाहर निकल आते हैं।
- तर्कु आधार में राईनोसेरस भृंग द्वारा छिद्रित भाग देखा जा सकता है।
- तदनन्तर वर्द्धित भाग पुनः स्वस्थ हो जाएगा।

लाल ताड़ घुन प्रबंधन में रोगनिरोधी, रोगनाशक तकनीकी

❋ लाल ताड़ घुन के धड़ प्रवेश से ताड़ में छिद्र और लाल/भौरे रंग के तरल रिसाव के साथ दिखाई पड़ सकता है। अत्यंत ऊपर के छिद्र के नीचे सभी छिद्र बंद करें और उपर्युक्त के अनुसार कीटनाशी घोल प्रयोग करें। 1 लीटर पानी में इमिडाक्लोप्रिड (1 मि. ली) या स्पिनोसाद (5 मि. ली) या इन्डोक्साकारब (2.5 मि. ली) आदि अनुमोदित कीटनाशी है।

नैदानिक विशेषताओं में भिन्नताएँ जानें

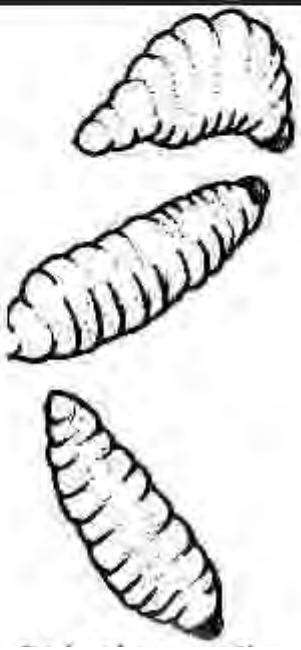

लाल ताड़ घुन

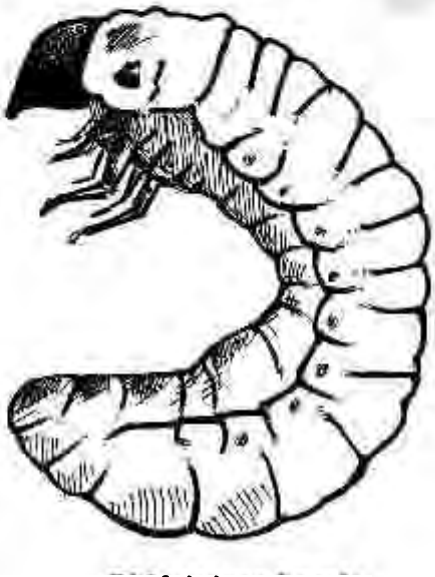

राईनोसेरस भृंग

- राईनोसेरस भृंग और लाल ताड़ घुन नारियल की उपज और ताड़ नाश करने वाले दो मुख्य कीट हैं।
- राईनोसेरस भृंग के डिम्ब को पैर है और लाल ताड़ घुन के डिम्ब को पैर नहीं है।
- लाल ताड़ घुन की सभी जीवन अवस्था, अण्डा, डिम्ब, प्यूपा और घुन आदि ताड़ के अंदर दिखाई पड़ती हैं।
- राईनोसेरस भृंग सड़े गले कार्बनिक कचरे में/फार्म खाद/कयर गूथे में अण्डे देते है और प्रौढ क्षत अवस्था है। वे मृदुल तर्कु भाग चबाते है और रस चूस लेते है जबकि लाल ताड़ घुन के डिम्ब विनाशक जीवन अवस्था है।

नैदानिक विशेषताओं में भिन्नताएँ जानें

- लाल ताड़ घुन संक्रमण की उन्नत अवस्था में संक्रमित ताड़ का पूरा छत्र नीचे गिर पड़ता है।
- ऐसे ताड़ पुनः स्वस्थ नहीं हो सकते हैं।
- घातक कीट के फैलाव और बहुगुणन को रोकने के लिए ऐसे ताडों को काट कर खोला जाए और लाल ताड़ घुन की सभी जिन्दा अवस्था का नाश किया जाए।

नैदानिक विशेषताओं में भिन्नताएँ जानें

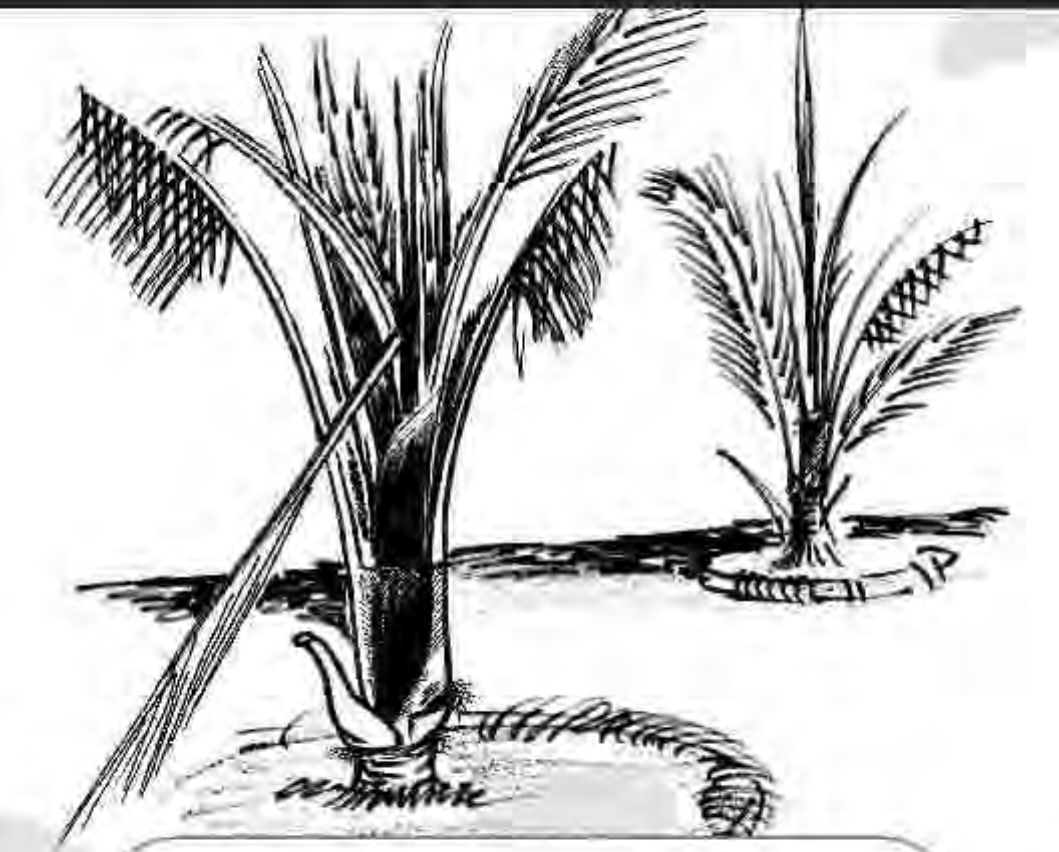

- तर्कु पर राईनोसेरस भृंग का आक्रमण कभी-कभी किसान लाल ताड़ घुन संक्रमण का लक्षण मान लेते है।
- राईनोसेरस भृंग जब तर्कु आधार पर छिद्रण करता है तो कभी - कभी तर्कु गिर जाता है। दोनों लक्षण की भिन्नताओं का सूक्ष्म रूप से निरीक्षण करने की आवश्यकता है।
- यह ताड़ की वृद्धि को प्रभावित करेंगे लेकिन घातक नहीं है।

नैदानिक विशेषताओं में भिन्नताएँ जानें

- पत्ता सड़न और कली सड़न नारियल के दो मुख्य रोग हैं। इस रोग का फैलाव भी लाल ताड़ घुन को ताड़ की ओर आकर्षित करता हैं।
- भिन्नताएँ जानें: ताड़ के तर्कु पत्ते में पत्ता सड़न रोग से प्रकाश संश्लेषण क्षेत्रफल कम हो जाता है और धीरे धीरे स्वास्थ्य और उपज में कमी का कारण बन जाता है।
- कली सड़न एक घातक कवक रोग है, वृद्धि भाग को प्रभावित कर दुर्गंध फैलाता है ।
- पत्ता सड़न रोग के नियंत्रण के लिए प्रभावित भाग को दूर कर नाश करने के साथ-साथ तर्कु पत्ते और पत्ता नाली में 300 मि.ली पानी में 2 मि.ली हेक्साकोनज़ाल का या 500 मि.ली पानी में 50 ग्रा *स्यूडोमोनस फ्लूरोसेंस* का टाल्क आधारित सूत्र प्रयोग करें।

नैदानिक विशेषताओं में भिन्नताएँ जानें

- लाल ताड़ घुन और कली सड़न रोग प्रभावित ताड़ के लक्षण को उन्नत अवस्था में पहचानना मुश्किल है इसलिए भिन्नताएँ सूक्ष्म रूप से नोट की जाएँ।
- लाल ताड़ घुन संक्रमण छत्र में, धड़ में और पत्ता नाली में देखा जा सकता है। अण्डे, डिम्ब, प्यूपे/प्रौढ आदि प्रभावित ताड़ों में छिद्रित सुराख या कीट के कीटमल/मल-मूत्र के साथ देखा जा सकता है।
- कली सड़न एक कवक रोग है जो वर्द्धित कली क्षेत्र को प्रभावित करता है इसलिए पत्ते मुरझाकर धीरे-धीरे गिर जाते हैं। खींचने से तर्कु पत्ते बाहर आ जाते है और बाकी पत्ते फीके पीले रंग में बदल जाते हैं।
- तीक्ष्ण कली सड़न रोग प्रभावित ताड़ से कवक सड़न की दुर्गंध निकलने लगती है।

नैदानिक विशेषताओं में भिन्नताएँ जानें

- तना स्रवण नारियल ताड़ का एक कवक रोग है जिसकी वजह कमज़ोर प्रबंधन पद्धतियाँ और जलनिकासी की कमी है।
- तने के आधार पर दिखाई पड़ते लघु वृद्धि छेद से भौरा रस रिसाव लक्षण दिखाई पड़ता है।
- रोग के प्रबंधन के लिए 100 ग्रा ट्राईकोडरमा के साथ 5 कि.ग्रा नीमकेक मिश्रण कर ट्राईकोडरमा लेप तने के प्रभावित भागों में लेपन करें।
- नारियल अलवाल में घास-भूसा जलाना नहीं चाहिए।

नैदानिक विशेषताओं में भिन्नताएँ जानें

नारियल की बौनी प्रजातियाँ लाल ताड़ घुन संक्रमण की अधिक ग्राही हैं। इसलिए बौनी नारियल प्रजातियाँ उगाने वाले किसानों को लाल ताड़ घुन के विरुद्ध अतिरिक्त सतर्क एवं पूर्वोपाय, रोगनिरोधी एवं रोगनाशक विधियाँ अपनानी चाहिए।

ए डब्ल्यु सी ए की भागीदारी एवं प्रभाव

लाल ताड़ घुन प्रबंधन के लिए क्षेत्र विस्तार सामूहिक भागीदारी से यह समझा गया कि:

- रोपाई के समय उचित अंतराल रखा जाए (7.5x7.5 मीटर),70 ताड प्रति एकड़, 172 ताड़ प्रति हेक्टर)। अंतराल कम होने से लाल ताड़ घुन का प्रकोप बढ़ जाता है।
- रोपाई की उचित गहराई अपनायी जाए (गड्ढा आकार - 1 से 1.2 घन मीटर)
- ऊपरी छाया दूर की जाए।
- नारियल प्लॉट में सफाई कार्य से लाल ताड़ घुन के प्रबंधन की सुविधा आर्थिक रूप से और पारिस्थितिक अनुकूल प्राप्त की जा सकती है।
- प्लॉट में लाल ताड़ घुन को रहने देने से द्रूत फैलाव और ताड़ नाश का कारण बन सकता है।
- रोगनाशक विधियाँ अगर आवश्यक है तो पुनरावर्तन किया जाए।
- संतुलित पोषण प्रबंधन सहित आवतिक निगरानी, नियमित और क्रमबद्ध ताड़ की सुरक्षा, फसल स्वास्थ्य प्रबंधन से उचित ताड़ स्वास्थ्य का अनुरक्षण किया जा सकता है।

ए डब्ल्यु सी ए की भागीदारी एवं प्रभाव

- लाल ताड़ घुन के लिए क्षेत्र विस्तार सामूहिक भागीदारी पहल भरणिक्काव ग्रामपंचायत में 2014-15 में कार्यान्वयन किया गया। लाल ताड़ संक्रमित ताड़ के जी पी एस प्लॉटिंग पंचायत के जी आई एस नक्शे में किया गया है।
- जनता प्रतिनिधि, नारियल कृषक संगठन, कृषि विभाग/पशु पालन, महिला स्वयं सहायक समूह, नारियल किसानों की भागीदारी एवं समामेलन आदि आगे बढ़ाने की प्रक्रियाओं को विशेष बल देता है।

- कार्यक्रम का नवोन्मेषी संघटक नारियल पादप संरक्षण निगरानी समूह समीकृत नारियल प्रक्षेत्र क्लिनिक, प्रक्षेत्र विस्तार प्रक्रिया मॉडल-लाल ताड़ घुन प्रबंधन और तकनीकी, प्रौघोगिकियाँ और सामाजिक संसाधनों का समीकरण।
- पंचायत के 21 वार्डों में औसत 55.83% के साथ लाल ताड़ घुन में 30-89% कमी प्राप्त की जा सकी। इसके अलावा प्रौद्योगिकी प्रचार की अवधि में कमी, प्रौद्योगिकी प्रबंधन का मूल्य और नारियल कृषक समुदाय के ज्ञान एवं कुशलता में सुधार प्राप्त किया जा सकता है।